सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

जहां जाइये प्यार फैलाइए। जो भी आपके पास आये वह और खुश होकर लौटे।
–मदर टेरेसा

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 85 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 29 अप्रैल, 2022

यूनिवर्सिटी टीचर्स की रिटायरमेंट... 8 | संपत्ति के बाद अब मंत्रियों को... 3 | प्रदेश में जंगलराज, न्याय को... 7

फरियादियों की भीड़ देखकर भड़के सीएम, पूछा

क्या तहसील और थाने में नहीं मिल रहा न्याय

» अधिकारियों को लगाई फटकार, हालात नहीं सुधरे तो होगी कड़ी कार्रवाई

» गोरखपुर में जनता दर्शन के दौरान फरियादियों की सुनी समस्याएं, समाधान के दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। जनता दर्शन के दौरान आज फरियादियों की भीड़ देखकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धैर्य जवाब दे गया। उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए पूछा कि क्या लोगों को तहसीलों और थानों में न्याय नहीं मिल रहा है? आखिर इतनी बड़ी संख्या में लोगों को मेरे पास आने की जरूरत क्यों पड़ रही हैं। यह स्थिति ठीक नहीं। इसमें सुधार नहीं आया तो कार्रवाई के लिए तैयार रहिए।

गोरखनाथ मंदिर के हिंदू सेवाश्रम में जनता दर्शन का कार्यक्रम था। मुख्यमंत्री से अपनी समस्या कहने के लिए यहां लोगों की भारी भीड़ पहुंची थी। न्याय पाने की आस में आए इतने लोगों को देखकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धैर्य जवाब दे गया। उन्होंने अफसरों को न केवल हालात सुधारने बल्कि ऐसा न होने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। सीएम ने करीब 100 लोगों की समस्याएं खुद सुनी और बाकी की समस्याएं डीएम और एसएसपी ने उनके निर्देश पर सुनी। जनता दर्शन में ज्यादातर मामले जमीन-जायदाद से जुड़े थे, जिसे मुख्यमंत्री ने स्थानीय स्तर पर निपटाने के निर्देश अफसरों को दिए। साथ ही कहा कि हर किसी के साथ न्याय होना चाहिए। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री दो दिन के दौरे पर गुरुवार की शाम गोरखपुर पहुंचे हैं।

धन के अभाव में न रुके किसी का इलाज

जनता दर्शन में आज बड़ी संख्या में इलाज के लिए मदद मांगने के मामले भी सामने आए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से इलाज के लिए धन की मांग को लेकर आए लोगों पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आगे बढ़कर वह यह सुनिश्चित करें कि किसी भी व्यक्ति का इलाज धन के अभाव में रुकने न पाए।

जून तक निर्माण करें पूरा शिथिलता बर्दाश्त नहीं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कौवाबाग-बरगदवा बाईपास (जेल बाईपास) फोरलेन का निर्माण कार्य जून महीने तक पूरा कर लिया जाए। इसमें किसी भी दशा में शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री जेल बाईपास फोरलेन कार्य का निरीक्षण कर रहे थे। 196 करोड़ की लागत से करीब 8.56 किलोमीटर लंबे इस फोरलेन का निरीक्षण करते हुए उन्होंने प्रशासनिक एवं कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरी गुणवत्ता के साथ काम पूरा किया जाए।

किया दर्शन-पूजन

मुख्यमंत्री की सुबह की दिनचर्या परंपरागत रही। तड़के अपने आवास से निकलने के बाद उन्होंने सबसे पहले बाबा गोरखनाथ के दरबार में जाकर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दर्शन-पूजन किया। साथ ही अपने दादा गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के समाधिस्थल पर जाकर आशीर्वाद लिया। हमेशा की तरह मंदिर परिसर के भ्रमण के क्रम में वह गोशाला गए और अपने हाथ से गायों को गुड़-चना खिलाया।

यूपी समेत कई राज्यों में प्रचंड गर्मी 48 डिग्री तक पहुंच सकता है पारा

» लखनऊ में तेजी से बढ़ रहा तापमान, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में प्रचंड गर्मी पड़ रही है। मौसम विभाग के मुताबिक एक मई तक पश्चिमी राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, यूपी, मप्र व झारखंड में प्रचंड गर्मी पड़ेगी। इन राज्यों के लिए विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी के मौसम वैज्ञानिक आरके जेनामणि ने बताया कि आज भीषण गर्मी पड़ रही है। मई में तापमान 48 डिग्री तक पहुंच सकता है। इसके साथ ही 10 राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और झारखंड के लिए अलर्ट जारी किया गया है। यूपी, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा व ओडिशा के कुछ हिस्सों में तो तापमान 45 डिग्री से ज्यादा पहुंच गया है। देश के बड़े हिस्से में अगले पांच दिनों तक लू का प्रकोप रहेगा। दो से चार मई तक राजस्थान, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में बारिश होने व आंधी के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

सपा प्रमुख के पीएम वाले बयान पर मायावती का तंज, कहा

जो अपना सपना पूरा नहीं कर सके वे दूसरों का क्या करेंगे

» सीएम व पीएम बनूं या नहीं वंचित वर्ग के हित में नहीं बन सकती राष्ट्रपति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के पीएम वाले बयान पर बसपा प्रमुख मायावती ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि सपा मुखिया यूपी में मुस्लिम व यादव समाज का पूरा वोट लेकर तथा कई पार्टियों से गठबंधन करके भी जब अपना सीएम बनने का सपना पूरा नहीं कर सके हैं, तो फिर वे दूसरों का पीएम बनने का सपना कैसे पूरा कर सकते हैं?

उन्होंने कहा कि जो पिछले लोक सभा चुनाव में, बसपा से गठबंधन करके खुद 5 सीटें जीत सके वे फिर से बसपा की मुखिया को कैसे पीएम बना पायेंगे? मैं आगे सीएम व पीएम बनूं या न बनूं, लेकिन मैं उपेक्षित वर्गों के हितों में देश का राष्ट्रपति कतई भी नहीं बन सकती हूं। अतः अब यूपी में सपा का सीएम बनने का सपना कभी भी पूरा नहीं हो सकता है। गौरतलब है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा था कि वे भी चाहते थे कि बसपा की मुखिया मायावती प्रधानमंत्री बनें इसलिए उनकी पार्टी ने गठबंधन किया था।

2024 में फिर बनेगी मोदी सरकार : बृजेश पाठक

» प्रदेश की जनता का साथ और आशीर्वाद बीजेपी के साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी ने विधानसभा चुनाव जीतने और विधान परिषद में बहुमत हासिल करने के बाद अब अपनी नजरें 2024 पर टिका दी हैं। इसी दिशा में अब कार्यकर्ताओं और नेताओं की पर्सनॉलिटी डेवलपमेंट के लिए प्रशिक्षण का काम भी शुरू कर दिया है। बाराबंकी में चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक पहुंचे। उन्होंने भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया।

यूपी के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने बताया कि यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण का कार्यक्रम है, इसमें जनपद के चुने हुए दायित्वधारी कार्यकर्ता हैं, उनसे बातचीत की गई। साथ ही जो जनप्रतिनिधि हैं, पार्टी के पदाधिकारी हैं, उनसे भी बात करके रणनीति बनाई जा रही है। बृजेश पाठक ने कहा कि बीजेपी के प्रशिक्षण सत्र में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की अंत्योदय योजनाओं पर गंभीर चर्चा हुई हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। बृजेश पाठक ने कहा कि सरकार संचारी रोगों पर भी रोकथाम के लिए

तमाम अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि हम इन दिशा में भी काम कर रहे हैं, कि लोग बीमार कम पड़ें। हम लोग उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। बृजेश पाठक ने कहा कि बीजेपी के प्रशिक्षण सत्र में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की अंत्योदय योजनाओं पर गंभीर चर्चा हुई हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता का साथ और आशीर्वाद भाजपा के साथ

सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना मकसद

बृजेश पाठक ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना हमारा मकसद है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं और दवाएं सभी तक पहुंचे यही हमारा मकसद है। इस क्रम में वह लगातार सभी पीएचसी, सीएचसी, जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों का निरीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरी सभी डॉक्टरों से अपील है कि मरीजों को भगवान मानकर सेवा करें। अस्पताल में साफ-सफाई, व्हील चेयर, स्ट्रेचर और पेयजल की व्यवस्था दुरुस्त रखें, क्योंकि अस्पतालों में किसी भी तरह की अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

है। भाजपा के कार्यकर्ता भी दिन रात इसी दिशा में मेहनत कर रहे हैं। 2024 में एक बार फिर केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनेगी। नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। वहीं जब डिप्टी सीएम बृजेश पाठक से मीडियाकर्मियों ने पूछा कि शिवपाल यादव और आजम खान पार्टी से नाराज हैं, क्या वह बीजेपी में शामिल होंगे। तब उन्होंने इस सवाल को यह कहकर टाल दिया कि आप हमारी पार्टी और सरकार के बारे पूछें, मैं उस पर जवाब दूंगा।

आने वाले दिनों में पूरी तरह खत्म होगा बिजली संकट : एके शर्मा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नैमिषारण्य के बलराम धर्मशाला में भाजपा के जिला प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने आए नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री अरविंद शर्मा ने बिजली संकट पर खुलकर बात की। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि दो से तीन सप्ताह पहले प्रदेश के तीन ऊर्जा संयंत्र प्राकृतिक व तकनीकी समस्या से क्षतिग्रस्त हुए हैं। इससे 660 मेगावाट की तीन इकाइयां क्षतिग्रस्त हुईं। ब्वायलर में लीकेज हो गया था। ब्वायलर 1500 से 2000 हजार डिग्री तापमान पर काम करते हैं। ब्वायलर ठंडा होने के बाद ही उसकी मरम्मत संभव है। उन्होंने कहा कि 630 मेगावाट का संयंत्र पहले से क्षतिग्रस्त था, वहीं 605 मेगावाट का एक और संयंत्र आंधी में क्षतिग्रस्त हो गया।

प्राकृतिक व तकनीकी समस्या का कुछ ऐसा संयोग बना कि हमारी एक तिहाई बिजली उत्पादन क्षमता इससे प्रभावित हुई है। इसके बाद भी हमने हरसंभव कोशिश की कि राज्य की जनता को कम से कम तकलीफ हो। उपलब्ध बिजली आपूर्ति का पूरा प्रयास किया गया। बंद पड़े संयंत्रों को चालू किया जा रहा है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि हरदुआगंज का एक संयंत्र आज चालू हो गया है। आने वाले दिनों में मेजा समेत शेष संयंत्रों को भी चालू कर दिया जाएगा। हवा के कारण बिजली के लटकते तारों से भी दुर्घटनाएं हुई हैं। हमने मोबाइल टीमों को लगाकर मरम्मत के निर्देश दिए हैं। हर स्तर पर हम सुधार के लिए काम कर रहे हैं। कर्मचारी पूरी क्षमता से लगे हैं, उनकी हम सराहना करते हैं। आने वाले समय में परिस्थिति सामान्य हो जाएगी और बिजली संकट पूरी तरह खत्म होगा।

उत्तराखंड में आम आदमी पार्टी ने भंग की प्रदेश कार्यकारिणी

» सभी प्रकोष्ठों का नए सिरे से होगा गठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव में सभी 70 सीटों पर हार के बाद आम आदमी पार्टी ने प्रदेश कार्यकारिणी समेत सभी प्रकोष्ठों को भंग कर दिया है। अब पार्टी नए सिरे से संगठन और प्रकोष्ठों का गठन करेगी। जल्द ही पार्टी नए अध्यक्ष का एलान करेगी। आप के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर उत्तराखंड में पार्टी संगठन और अन्य सभी प्रकोष्ठों की कार्यकारिणी को भंग किया गया है।

आप नेता दिनेश मोहनिया ने इसकी जानकारी दी है। खुद को उत्तराखंड की

सियासत में तीसरा विकल्प बताकर आम आदमी पार्टी ने सभी 70 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन पार्टी उत्तराखंड में खाता भी नहीं खोल पाई। चुनाव के बाद पार्टी ने संगठन और सभी प्रकोष्ठों की कार्यकारिणी को भंग कर दिया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक दीपक बाली को आप प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है। आप नेता दिनेश मोहनिया ने कहा कि नए संगठन निर्माण के साथ ही अन्य सभी इकाईयों का जल्द गठन कर पार्टी को मजबूत किया जाएगा।

शमसुद्दीन व जिला अध्यक्ष समेत 20 पर एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मेरठ में बसपा जिला कार्यालय में बैठक के दौरान मारपीट का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने और जातिसूचक शब्द का प्रयोग करने के आरोप में बसपा के पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रभारी शमसुद्दीन राइन, मंडल प्रभारी सतपाल पेपला, मंडल प्रभारी दिनेश गाजीपुर, जिला अध्यक्ष मोहित जाटव व सिवालखास विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष विकास जाटव व 15-20 अज्ञात के खिलाफ पर थाना नौचंदी में रिपोर्ट दर्ज हुई है। यह रिपोर्ट अधिवक्ता अनिल प्रधान की ओर से दर्ज कराई गई है। अनिल का आरोप है कि बसपा की बैठक में समस्याओं को रखा तो पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रभारी शमसुद्दीन राइन गाली देने लगे। जान से मारने की धमकी दी और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया।

योगी के मंत्री बने ड्राईवर स्टेयरिंग छोड़ दौड़ाई बस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार में राज्यमंत्री दिनेश खटीक मेरठ के मवाना बस अड्डे पर इलेक्ट्रिक बस को हरी झंडी दिखाने पहुंचे थे। बस को हरी झंडी दिखाते हुए मंत्रीजी उत्साहित हो गए कि वो खुद ही ड्राइविंग सीट पर बैठ गए। मंत्रीजी ने मेरठ की सड़कों पर बस चलाई। बस चलाते वक्त स्टंट भी किए। यही नहीं, ड्राइविंग सीट पर कभी स्टेयरिंग छोड़ते नजर आए, तो कभी जनता से हाथ जोड़ते नजर आए।

स्टेयरिंग छोड़ बस चलाने का वीडियो किसी ने वायरल कर दिया तो सोशल मीडिया पर लोग बोले कि अब इन पर कौन कार्रवाई करेगा। हालांकि मंत्री के ड्राइव करते समय बस में बैठे स्टाफ और कुछ लोगों ने कहा कि ध्यान से बस चलाएं, ब्रेक हैवी हैं। इस पर मंत्री ने कहा कि चिंता न करो। हमने बुलडोजर चला दिया, बस तो चला ही लेंगे। मंत्री ने इस दौरान बस में बैठने वाली सवारियों के साथ 100 रुपए देकर अपना टिकट भी कटाया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

महिलाओं को जागरूक कर स्वावलंबी बनाएं : राज्यपाल

» बोलीं- कुपोषित बच्चों को सामर्थ्यवान लें गोद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सहारनपुर में अपने तीन दिवसीय दौरे के पहले दिन समीक्षा बैठक की। उन्होंने महिलाओं को जागरूक बनाकर उन्हें स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्वावलंबी बनाए जाने के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। महिलाओं को रोजगार देने के मामले में जिले के प्रथम आने पर अधिकारियों की सराहना भी की। उन्होंने जिला अस्पताल में सखी वन स्टाप सेंटर का निरीक्षण किया।

इसके बाद पाइनवुड स्कूल में महिला एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्यक्रम में शामिल हुईं। यहां उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया तथा जिलेभर के 47 आंगनबाड़ी केन्द्रों को

उच्चीकृत करने के लिए विशेष किट प्रदान की। राज्यपाल ने कुपोषण की समस्या को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने कहा कि इसकी समाप्ति के लिए कुपोषित बच्चों को चिह्नित करें। इसके बाद गांव के प्रधान और गांव के सामर्थ्यवान लोग इन बच्चों को गोद लें तो कुपोषण को समाप्त किया जा सकता है। साथ ही साथ कुपोषित बच्चों के लिए एक समिति बनायी जाए, जिसमें ग्राम प्रधान, आशा, आंगनबाडी एवं सुपरवाइजर को इसका सदस्य बनाएं। राज्यपाल ने कहा कि कोरोना काल में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना का प्रकोप भले ही कम हो गया हो, लेकिन टीकाकरण में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इसके लिए केंद्र सरकार के पास बजट की कोई कमी नहीं है, बजट के प्रस्ताव भेजकर बजट की मांग कर सकते हैं। राज्यपाल ने प्रसव को शत-प्रतिशत अस्पताल में कराने को कहा। आंगनबाड़ी केंद्रों की अच्छी स्थिति देखकर जिलाधिकारी अखिलेश सिंह की उन्होंने सराहना की। राज्यपाल ने बैठक के बाद एक जनपद एक उत्पाद के पांच लाभार्थियों को चेक वितरित किए। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी के पांच-पांच लाभार्थियों को आवास की चाभी दी गई। उन्होंने दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल व श्रमिकों को साइकिल भी वितरित की।

संपत्ति के बाद अब मंत्रियों को मिलने वाले उपहारों पर सरकार की नजर

पांच हजार से अधिक के गिफ्ट नहीं ले सकेंगे मंत्री, जमा होंगे कोषागार में

» उपहारों को लेकर लिखित में उपलब्ध करा दी गयी है आचार संहिता

» सामंती बोध वाले उपहारों से परहेज करने की भी दी गयी हिदायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संपत्ति का ब्यौरा मांगने के बाद अब सरकार की नजर मंत्रियों के महंगे उपहारों पर भी लग गयी है। सरकार ने साफ दिशा-निर्देश जारी कर दिए है कि पांच हजार से अधिक के गिफ्ट अब मंत्री नहीं ले सकेंगे। इससे अधिक के उपहार सरकारी संपत्ति होंगे और उसे कोषागार में जमा किया जाएगा।

प्रदेश के मंत्रियों को परिवार संग अपनी संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक करने के अलावा अब उपहार स्वीकार करने में भी सावधानी बरतनी होगी। मंत्री अब 5 हजार रुपए से ज्यादा कीमत के उपहार नहीं ले सकेंगे। ये निर्देश सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंत्रियों को दिए हैं। बताया जा रहा है कि मंत्रियों को इस संबंध में बकायदा लिखित में आचार संहिता उपलब्ध करा दी गई है। कहा गया है कि ऐसे प्रतीक जो सामंत शाही का बोध कराते हैं जैसे सोने-चांदी के मुकुट आदि

स्वीकार नहीं करने चाहिए। मंत्रियों से पांच हजार से अधिक कीमत के गिफ्ट पर रोक लगाने को कहा गया है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत सभी निर्वाचित सदस्यों (मंत्री भी शामिल) के लिए सार्वजनिक आचरण के मानक तय हैं।

संस्था की करें जांच

मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को यह भी कहा है कि किसी भी सम्मान समारोह में शामिल होने से पहले उस संस्था या संगठन की जांच अवश्य कर लें कि कहीं उस पर किसी तरह का आरोप तो नहीं है। विदेशी संस्थाओं से भी सम्मान लेने से पहले अनुमति लेनी होगी और उसकी भी जांच जरुरी होगी। दरअसल, मुख्यमंत्री के इस कदम को सरकार की पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही के तौर पर देखा जा रहा है। ऐसा अक्सर देखने में आया है कि मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों को संस्थाओं और संगठनों द्वारा महंगे तोहफों से सम्मानित किया जाता रहा है। लिहाजा मुख्यमंत्री ने अनुशासन की पाठशाला की शुरुआत अपने मंत्रिमंडल से ही की है।

हर साल देंगे संपत्ति का ब्योरा

इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रियों से हर साल अपनी, पत्नी और परिवार के सभी आश्रित सदस्यों की संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक करने को कहा है। इसके साथ ही उन्होंने मंत्रियों से काम में परिवार का दखल न होने देने को भी कहा है। यह भी कहा है कि मंत्री या उनके परिवार का सदस्य, सरकार से मिलने वाले लाइसेंस, परमिट, कोटा, पट्टा पर आधारित काम नहीं करेगा अगर मंत्री बनने के पहले से ऐसा कोई काम चल रहा हो तो उसकी पूरी जानकारी देनी होगी। इन सभी मानकों के पालन और उल्लंघन से जुड़े मामलों के लिए मुख्यमंत्री के मामले में प्रधानमंत्री और मंत्रियों के मामले में मुख्यमंत्री प्राधिकारी होंगे।

उच्च सदन में लगातार मजबूत हो रही भाजपा

भाजपा को जल्द मिलेंगे तीन और विधान परिषद सदस्य

» एक ही पार्टी को दोनों सदन में बड़ा बहुमत मिलने के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति के इतिहास में करीब चालीस वर्ष बाद एक ही पार्टी को विधान मंडल के दोनों सदन में बड़ा बहुमत मिलने के बाद भारतीय जनता पार्टी उच्च सदन यानी विधान परिषद में और मजबूत हो जाएगी। यूपी चुनाव के बाद विधान परिषद के चुनाव में प्रचंड बहुमत पाने वाली भारतीय जनता पार्टी को जल्द ही तीन और विधान परिषद सदस्य मिलेंगे। उत्तर प्रदेश विधान मंडल के विधान परिषद में समाजवादी पार्टी अब और कमजोर होगी।

समाजवादी पार्टी के तीन मनोनीत विधान परिषद सदस्यों बलवंत सिंह रामूवालिया, जाहिद हसन वसीम बरेलवी और मधुकर जेटली का कार्यकाल 28 अप्रैल को समाप्त हो गया है। माना जा रहा है कि विधान परिषद में मनोनीत कोटे की तीन एमएलसी का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भाजपा सरकार की ओर से जल्द तीन नए सदस्य मनोनीत करने की संस्तुति होगी। भारतीय जनता पार्टी का उत्तर प्रदेश विधान परिषद में स्पष्ट बहुमत है। अब

समाजवादी पार्टी का कुनबा घटा

पहली बार यूपी विधान परिषद में भारतीय जनता पार्टी का बहुमत है। ऐसे में बीजेपी सरकार की पावर और भी ज्यादा बढ़ती दिख रही है। अब सरकार अब हिसाब से अपने दम पर ही कानून पारित करा सकती है। दोनों ही सदनों में किसी दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा। वहीं, समाजवादी पार्टी की ताकत और कम हो जाएगी। हाल ही में विधान परिषद की 36 सीटों के जो चुनाव हुए उनमें 33 सीटें बीजेपी ने जीती थीं। 9 सीटों पर भाजपा के विधायक निर्विरोध चुनाव जीते थे। सपा को एक भी सीट नहीं मिली। दो सीटें निर्दलीय उम्मीदवारों के पास गईं थीं जबकि एक पर जनसत्ता पार्टी के प्रत्याशी ने जीत दर्ज की।

यादव बिरादरी पर भी फोकस

भाजपा ने अब मिशन 2024 की तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी की नजर यादव वोट बैंक पर है। यूपी में यादव समाजवादी पार्टी का मूल वोट बैंक माना जाता रहा है इसलिए अब भाजपा यादव ब्रिगेड तैयार करने जा रही है। इसके जरिए 2024 से पहले यादव खास तौर पर युवा यादव वोटरों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। यादव अब भी समाजवादी पार्टी के कोर वोटर रहा है। इसलिए बीजेपी अब अपने यादव नेताओं की फौज को आगे ला रही है। इसके लिए पार्टी ने उन चेहरों को चुना है, जिनकी लोकप्रियता युवाओं के बीच है। उन्हें भी पार्टी मौका देने जा रही है जो पार्टी कैडर से निकले यादव नेता हैं।

भाजपा और मजबूत होती जा रही है। विधान सभा के साथ ही अब विधान परिषद में भाजपा अपने संख्या बल पर कानून पारित करा सकती है।

उसको दोनों ही सदनों में किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। उत्तर प्रदेश विधान सभा में सहयोगी दल के साथ 125 सदस्यों वाली समाजवादी पार्टी के अब विधान परिषद में सिर्फ 14 सदस्य ही रहेंगे। इतना ही नहीं समाजवादी पार्टी के मई में तीन सदस्य और कम हो जाएंगे। 26 मई को भी समाजवादी पार्टी के तीन सदस्यों डॉ. राजपाल कश्यप, डॉ. संजय लाठर और अरविंद कुमार का कार्यकाल समाप्त होगा। इनमें संजय लाठर तो विधान परिषद में नेता विरोधी दल भी हैं। इन सभी को राज्यपाल ने मनोनीत किया है।

विधान परिषद में अभी भाजपा के पास 66 सदस्य

विधान परिषद में भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों की संख्या अब 66 है। बीते मंगलवार को इनके 33 विधान परिषद सदस्यों ने शपथ ली थी। विधान परिषद की 36 सीटों पर चुनाव में भाजपा ने नौ निर्विरोध सहित 33 पर जीत दर्ज की थी। समाजवादी पार्टी का तो खाता ही नहीं खुला था, जबकि दो सीट निर्दलीय को मिली और एक पर जनसत्ता दल लोकतांत्रिक ने जीत दर्ज की थी। भाजपा के तीन और सदस्य मनोनीत होने के बाद इनकी संख्या सौ सदस्यों में 69 की हो जाएगी। योगी सरकार में मंत्री जसवंत सैनी, जेपीएस राठौर, दानिश, नरेन्द्र कश्यप और दयाशंकर मिश्र दयालू किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं। माना जा रहा है कि इन तीनों को ही विधान परिषद के लिए मनोनीत किया जाएगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कोयले की किल्लत और विद्युत कटौती

सवाल यह है कि हर साल गर्मी में विद्युत कटौती एक रूढ़ परंपरा क्यों बन गयी है? राज्य और केंद्र सरकारें समस्या का स्थायी समाधान क्यों नहीं निकाल रही हैं? मांग और आपूर्ति में संतुलन कायम करने में सरकारें नाकाम क्यों हैं? थर्मल प्लांटों में कोयले की कमी क्यों हो जाती है? पहले से कोयले का स्टॉक क्यों उपलब्ध नहीं कराया जाता है?

भीषण गर्मी में कोयले की किल्लत के कारण बिजली की मांग और आपूर्ति का समीकरण बिगड़ गया है। यूपी समेत देश के करीब एक दर्जन राज्यों के थर्मल पावर प्लांटों में कोयले की कमी हो गयी है। अधिकांश प्लांटों में महज दस दिन का कोयला बचा है। मांग के मुताबिक उत्पादन नहीं होने के कारण उत्तर प्रदेश में रोजाना चार से पांच घंटे की अघोषित विद्युत कटौती हो रही है। इसका असर उद्योग धंधों पर भी पड़ रहा है। हालांकि सरकार का दावा है कि थर्मल प्लांटों में कोयले की आपूर्ति बाधित नहीं होने दी जाएगी। सवाल यह है कि हर साल गर्मी में विद्युत कटौती एक रूढ़ परंपरा क्यों बन गयी है? राज्य और केंद्र सरकारें समस्या का स्थायी समाधान क्यों नहीं निकाल रही हैं? मांग और आपूर्ति में संतुलन कायम करने में सरकारें नाकाम क्यों हैं? थर्मल प्लांटों में कोयले की कमी क्यों हो जाती है? पहले से कोयले का स्टॉक क्यों उपलब्ध नहीं कराया जाता है? थर्मल प्लांटों पर निर्भरता को कम करने के लिए ऊर्जा के अन्य स्रोतों पर जोर क्यों नहीं दिया जा रहा है?

देश में बिजली संकट गहराता जा रहा है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है। देश में पिछले हफ्ते मांग के सापेक्ष 623 मिलियन यूनिट बिजली की कमी हुई है। यह मार्च महीने में हुई कमी से ज्यादा है। वहीं थर्मल प्लांट कोयले की कमी से जूझ रहे हैं जबकि मांग बढ़ने से इन पर विद्युत उत्पादन का दबाव बढ़ गया। कई राज्यों द्वारा कोल कंपनियों को भुगतान में देरी की वजह से भी कोयला आपूर्ति प्रभावित हुई है। आंकड़ों से पता चला है कि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की निगरानी वाले 147 संयंत्रों में 26 अप्रैल को कोयला भंडार मानक का 25 प्रतिशत था। उत्तर प्रदेश में 3,000 मेगावॉट बिजली की कमी है। यहां लगभग 23,000 मेगावॉट की मांग के मुकाबले आपूर्ति 20,000 मेगावॉट है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में बिजली कटौती की जा रही है। हालांकि सरकार का दावा है कि थर्मल पावर प्लांटों में 21 मिलियन टन कोयले का स्टॉक है जो दस दिन के लिए काफी है। मांग बढ़ने का एक बड़ा कारण औद्योगिक इकाइयों का पूरी क्षमता से शुरू होना भी है जो कोरोना काल में अपनी आधी क्षमता से चल रही थीं। देश की 70 फीसदी बिजली का उत्पादन थर्मल पावर प्लांट से होता है। लिहाजा कोयले की कमी या मांग बढ़ने पर हालात बिगड़ने लगते हैं। जाहिर है यदि सरकार इस समस्या का स्थायी समाधान चाहती है तो उसे ऊर्जा के अन्य स्रोतों का विकास करना होगा और अतिरिक्त मांग की पूर्ति करनी होगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सहयोग ही दक्षिण-पूर्व एशिया का संकटमोचन

जी. पार्थसारथी

भारत के दो पड़ोसी देश, श्रीलंका और पाकिस्तान इस वक्त गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं, जिसके लिए उन्हें भारी विदेशी सहायता की जरूरत है। वहीं आजादी की 50वीं वर्षगांठ मना रहा बांग्लादेश दक्षिण एशिया में सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था बन गया है। 2022 के लिए अर्थव्यवस्था में 7.5 फीसदी वृद्धि दर पाकर बांग्लादेश को अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी विश्व में सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में एक माना जा रहा है। बांग्लादेश का वस्त्र-निर्यात देश की सकल निर्यात कमाई का 80 प्रतिशत है। बांग्लादेश ने श्रीलंका से साथ 20 करोड़ डॉलर मूल्य का करंसी-स्वैप मंजूर किया है। बिमस्टेक संगठन का आखिरी शिखर सम्मेलन 30 मार्च को कोलंबो में हुआ था, जहां परस्पर क्षेत्रीय सहयोग के लिए अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं बनायी गयी हैं। परियोजनाओं के लिए धन का इंतजाम करना समस्या है लेकिन सारे इलाके में चीन के बढ़ते प्रभाव और उपस्थिति के बीच बंगाल की खाड़ी के मुल्कों के बीच आपसी क्षेत्रीय एवं द्विपक्षीय सहयोग के विस्तार को लेकर पहली तरजीह जारी रहेगी।

पिछले महीनों में श्रीलंका को एक के बाद एक समस्याओं से दो-चार होना पड़ा है, जिसकी वजह से और कोविड संबंधित कारणों से पर्यटन से होने वाली लगभग सारी आय जाती रही। अरब की खाड़ी के मुल्कों से श्रीलंकाई कामगारों द्वारा भेजी जाने वाली विदेशी मुद्रा में भी कमी आई है। हालांकि बहुत से श्रीलंकाइयों को विश्वास है कि उनकी समस्याएं मुख्य रूप से राष्ट्रपति गोटाबया राजपक्षे और उनके भाई प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे सहित राज करने वाले कुलीनों की गलतियों और अदूरदर्शिता का नतीजा है। 2021 में राजपक्षे सरकार द्वारा रासायनिक खाद के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने से इनमें एक नाराजगी और जुड़ गई। इस कदम से फसल उत्पादन में भारी कमी हो गई। इससे देश में राष्ट्रव्यापी आंदोलन और भड़क उठा। चिंता यह है कि नकदी का टोटा सह रहे श्रीलंका को हम्बनतोता बंदरगाह में चीनी सैन्य अड्डा बनाने की मंजूरी न देनी पड़ जाए। इसका विकास चीनी मदद से हुआ है। हालांकि भारत ने जापान के साथ मिलकर कुशलतापूर्वक उपाय किए हैं ताकि कोलंबो बंदरगाह, जहां से होकर काफी मात्रा में भारतीय माल आगे जाता है, उस पर चीन का एकाधिकार या दबदबे वाला नियंत्रण बनने न पाए।

हाल ही में एक 35 वर्षीय संधि में कोलंबो बंदरगाह के विस्तार कार्य में श्रीलंका पोर्ट अथॉरिटी को साथ रखकर भारत के अडानी ग्रुप के पास 51 फीसदी हिस्सा रहेगा। इस परियोजना के लिए धन जापान देगा। यह सुविधा चीन की मदद से चल रहे कोलंबो इंटरनेशनल कन्टेनर पोर्ट टर्मिनल के एकदम साथ सटी हुई है। कोलंबो बंदरगाह पर कुल नौवहनीय आवागमन का लगभग 75 फीसदी भारत से आने-जाने वाली वस्तुओं का है। श्रीलंका अपनी वित्तीय चुनौतियों से उबरने की खातिर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से दीर्घकालीन इंतजाम के लिए वार्ता जारी रखे हुए है। भारत ने इस संस्था से श्रीलंका की मदद जल्द करने का आग्रह किया है। जब से भारत ने श्रीलंकाई सरकार के साथ मिलकर और वित्तीय सहायता करके इस संकट की घड़ी में सहायता का यत्न किया है इन गतिविधियों को गति मिली है। भारत ने श्रीलंका को 50 करोड़ डॉलर मूल्य के लाईन ऑफ क्रेडिट भी दिया है। इसके अलावा अन्य मदद भी मुहैया करा रहा है। बंगाल की खाड़ी क्षेत्र के मुल्कों में श्रीलंका के साथ भारत के रिश्ते प्राकृतिक रूप से शांति और सुरक्षा से जुड़े हुए हैं। भारत के लिए संतोषजनक है कि पूरबी पड़ोसियों में बांग्लादेश और म्यांमार के साथ हमारे संबंध मजबूत बने हुए हैं। म्यांमार के साथ भारत की 1640 किलोमीटर लंबी किंतु विद्रोही गतिविधियों से ग्रस्त साझी सीमा रेखा है। सीमा की संवेदनशीलता और म्यांमार तक चीन की पहुंच होने के कारण भारत ने उसकी सैन्य सरकार के साथ निकट संबंध बनाए हुए हैं। यह नीति हमारे लिए लाभप्रद है क्योंकि इससे सीमा पार से अभियान चलाने वाले विद्रोहियों से निबटने में काफी मदद मिलती है। वहीं पाकिस्तान के साथ भारत के रिश्ते आईएसआई द्वारा आतंकियों को मदद जारी रखने की हरकत से जुड़े हुए हैं। इमरान का रिकॉर्ड आतंकियों का मददगार रहने वाला रहा। इसी बीच नए प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने मुल्क की आर्थिक प्रगति को उच्चतम तरजीह देना तय किया है और हो सकता है इसके लिए वह भारत के साथ व्यापार, आर्थिक और नागरिक स्तर पर आपसी आदान-प्रदान करने के रिश्ते बनाने के खिलाफ न हों। तथापि वे खुद अगले साल अक्तूबर में होने वाले आम चुनाव तक सत्ता में रह पाते हैं या नहीं, यह वक्त बताएगा।

मिट्टी को स्वस्थ बनाने पर हो जोर

अशोक भगत

इन दिनों योगी जग्गी वासुदेव मिट्टी बचाने की मुहिम में लगे हैं। इसके लिए वे लंदन से 100 दिनों की यात्रा करेंगे। प्रश्न है कि सद्गुरु को मिट्टी बचाने के लिए वैश्विक मुहिम की आवश्यकता क्यों पड़ी? कारण जान कर आप स्तब्ध रह जायेंगे। हमारे सकल घरेलू उत्पाद में खेती करीब 1/6वां योगदान करती है। भारत की जनसंख्या में लगभग 70 प्रतिशत लोग आजीविका के लिए इस पर निर्भर हैं। बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए अनाज उत्पादन को बढ़ाना जरूरी था, जिसके लिए कुछ राज्यों में अंधाधुंध रासायनिक खादों, कीटनाशकों एवं खरपतवारनाशी रसायनों का उपयोग किया गया। इससे उत्पादन तो बढ़ा लेकिन मृदा का स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया।

भारत के कुछ हिस्सों की मिट्टी तो अब खेती लायक भी नहीं बची है। यह हाल तमाम विकसित देशों का भी हो गया है, जहां आधुनिकता की तूती बोलती है। मृदा स्वास्थ्य की समस्या वैश्विक है और यही कारण है कि जग्गी वासुदेव को मुहिम के लिए बाध्य होना पड़ा? दरअसल, मिट्टी में अंधाधुंध रसायनों (उर्वरक, कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवारनाशी) का उपयोग किये जाने के कारण मिट्टी की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक संरचना प्रभावित हुई है। देश की कृषि योग्य भूमि लगातार कम होने के साथ-साथ इसकी उर्वरता भी कम हो रही है। बढ़ती जनसंख्या के साथ खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करना एवं कम लागत में अधिकतम उत्पादन कर किसानों की आमदनी बढ़ाना बेहद जरूरी है। मिट्टी पर ही किसानों की उन्नति निर्भर करती है। 'स्वस्थ धरा, खेत हरा' कहावत प्रचलित है। देश के कृषि विशेषज्ञों ने यह पाया कि किसानों में जानकारी के अभाव के कारण खेती में रासायनिक उर्वरकों और कृषि रसायनों का असंतुलित मात्रा में प्रयोग किया जा रहा है। इससे मिट्टी की सेहत बिगड़ती जा रही है एवं किसानों के फसल उत्पादन तथा पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसी सोच को लेकर भारत सरकार ने किसानों के कल्याण एवं फसल की उच्च उत्पादकता तथा गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित कर फरवरी 2015 में 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड' (सॉयल हेल्थ कार्ड) योजना प्रारंभ की।

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का मुख्य उद्देश्य मिट्टी परीक्षण के आधार पर मिट्टी के संतुलन तथा उसकी उर्वरकता को बढ़ावा देना है जिससे किसानों को कम कीमत में अधिक पैदावार मिल सके। मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के अंतर्गत अब तक पूरे भारत में लगभग 11,24,46,907 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किया गया है। इसी क्रम में झारखंड में भी वर्ष 2014-15 से अब तक 13,79,309 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराया जा चुका है। इस योजना के अंतर्गत किसानों को एक मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिया जाता है, जिसमें खेत की मिट्टी की गुणवत्ता एवं उपज शक्ति के बारे में जानकारी दी जाती है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड हर तीन साल में प्रदान किया जाता है। इसके कारण किसानों को अपनी मिट्टी के बदलाव के बारे में भी पता चलता है। इस योजना के तहत किसानों को अच्छी फसल उगाने में मदद मिल रही है।

सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना को जन अभियान बनाने के लिए हर किसान को आगे आना होगा। खेत की मिट्टी की जांच करानी होगी। उर्वरक के प्रयोग का प्रबंधन करना होगा। तब जाकर मिट्टी की उर्वरता बरकरार रह पायेगी। सरकार ने ऐसी योजना की शुरुआत की है, जिसके तहत सभी किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड मिशन से जोड़ा जायेगा। कार्ड में खेतों के लिए अपेक्षित पोषण एवं उर्वरकों के बारे में फसलवार सिफारिशें की जाती हैं, जिससे किसान उपयुक्त फसलें चुन कर उत्पादकता में सुधार कर सकें। भारत सरकार ने इस क्षेत्र में विशेषज्ञों को भी लगाया है। किसानों को यदि कुछ सुझाव की जरूरत हो तो वह भी उपलब्ध है। किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी करने के वास्ते मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार राज्य सरकारों को सहायता मुहैया करा रही है। राज्य सरकारें मृदा स्वास्थ्य कार्ड को जारी करने के वास्ते गांवों की औसत मृदा सेहत का निर्धारण करने के लिए नवीन पद्धतियां अपना रही हैं, जिनमें मृदा परीक्षण के लिए कृषि विद्यार्थियों, गैर सरकारी संगठनों तथा निजी सेक्टर की सेवा शामिल है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड स्कीम किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद है। भारत में ऐसे बहुत से अशिक्षित किसान हैं, जो यह नहीं जानते कि फसलों से अधिकतम उपज प्राप्त करने के लिए किस तरह प्रबंधन किया जाता है।

मूल रूप से वे मिट्टी के गुण और उसके प्रकार नहीं जानते हैं, केवल धरती को माता मान कर उसमें फसलों को लगाते हैं। वे अपने अनुभव से फसलों का बढ़ना और उनका असफल होना जान सकते है किंतु वे यह नहीं जानते कि मिट्टी की हालत को कैसे सुधारा जा सकता है। मिट्टी हमारे जीवन से जुड़ी हुई है। इसके स्वास्थ्य की गुणवत्ता से ही हम अपने भविष्य को सुरक्षित रख सकते हैं। यदि यह बिगड़ा तो समझ लें कि मानव सभ्यता पर संकट छा जायेगा। इस संकट का एक मात्र समाधान मिट्टी की गुणवत्ता की सुरक्षा है। यह तभी संभव है जब हम खेती के पूरे तंत्र का परंपरा के साथ वैज्ञानिक प्रबंधन करें। सरकार भी इस मामले में गंभीरता से प्रयास कर रही है।

लू या हीट वेव से बचने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

पूरे उत्तर भारत में लू या हीट वेव का कहर दिख रहा है। वेस्ट यूपी में मेरठ और आसपास के जिलों भी इससे प्रभावित हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि आखिर लू या हीट वेव क्या है और इससे इन दिनों कैसे बचा जाए। लू के मौसम में कुछ सावधानियां बरतकर खुद को स्वस्थ रखा जा सकता है। मेरठ में भी तापमान 42 डिग्री की ओर बढ़ने को तैयार है। दोपहर के समय घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। आने वाले समय में लू का प्रकोप और बढ़ जाएगा। सावधानी ही लू या हीट वेव से बचने का तरीका है। आपको यह भी बता दें कि मौसम विज्ञानियें के अनुसार भारत के कुछ क्षेत्रों खासकर उत्तर में हीट वेव या लू मार्च से जून महीने के समय चलना शुरू करती है और फिर यह सबसे अधिक मई महीने में चलती है। बस, इसी दौरान सबसे भीषण गर्मी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में घरों से बाहर निकलना भी कठिन हो जाता है।

आखिर क्या है लू या हीट वेव

मैदानी क्षेत्र में जब भी तापमान 40 डिग्री या उससे अधिक हो जाता है तब लू या हीट वेव का असर दिखने लगता है। मौसम विज्ञानियों ने भी इसे परिभाषित किया है। मौसम विज्ञान विभाग आइएमडी के मुताबिक जब कभी मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यह स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती है। अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि को हीट वेव कहते हैं। अक्सर पारा जब औसत से ऊपर चला जाता है तो भी लू चलने लगती है। एक बात और अगर किसी क्षेत्र में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, तो इसे खतरनाक लू की श्रेणी में रखा जाता है। तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो हीट वेव चलने लगती है।

लू के लक्षण पहचानें

- कमजोरी लगे तो सतर्क हो जाएं।
- सिर दर्द होना, उल्टी आनी महसूस होना।
- तेज पसीना और झटका जैसा अनुभव होना।
- चक्कर आए तो तुरंत चिकित्सकीय परामर्श ले।
- मांसपेशियों में ऐंठन और पसीना अधिक आना।

यह सब करने से बचें

- धूप में खड़े वाहनों में बच्चों एवं पालतू जानवरों को न छोड़ें।
- दिन के 11 बजे से 3 बजे के बीच यदि संभव हो तो बाहर न निकले।
- गहरे रंग के भारी एवं तंग वस्त्र पहनने से बचें।
- खाता बनाते समय कमरे के दरवाजे के खिडकी एवं दरवाजे खुले रखें, जिससे हवा का आना
- नशीले पदार्थ, शराब तथा अल्कोहल के सेवन से बचें।
- उच्च प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करने से बचे तथा बासी भोजन न करें।

ऐसे करें लू से बचाव

- साफ पानी ज्यादा पिये ताकि शरीर में पानी की कमी से होने वाली बीमारी से बचा जा सकें।
- हल्के, दीले ढाले सूती वस्त्र पहनें ताकि शरीर तक हवा पहुंचे और पसीने को सोख कर शरीर को ठंडा रखें।
- धूप में बाहर जाने से बचें, अगर बहुत जरूरी हो तो धूप के चश्मे छाता, टोपी एवं जूते या चप्पल पहनकर ही घर से निकलें।
- यात्रा करते समय अपने साथ बोतल में पानी जरूर रखें।
- गर्मी दिनों में ओआरएस का घोल का पियें।
- घरेलू पेय जैसे नींबू पानी कच्चे आम का पना, लस्सी आदि का प्रयोग करें। जिससे शरीर में पानी की कमी न हों।
- कार्यस्थल पर पीने के साफ पानी की समुचित व्यवस्था रखें।

हंसना मना है

टीचर और चिंटू के बीच बातचीत, टीचर: मैं तुम्हें भूतकाल, वर्तमान काल और भविष्य काल का एक उदाहरण देती हूं। दूसरा उदहारण तुम देना। चिंटू: जी मैडम। टीचर: मैं सुंदर थी, सुंदर हूं और सुंदर रहूंगी। चिंटू: मैडम ये आपका वहम था, वहम है और हमेशा रहेगा। दे थप्पड़ दे थपड़ दे थप्पड़।

दमाद: आज से मैं रोटी नहीं चावल खाऊंगा। सास: ऐसा क्यों? दमाद: मोहल्ले वालों के ताने सुनकर थक गया हूं। रोज कहते हैं कि ससुराल वालों की रोटी तोड़ता हूं।

जेलर: सुना है तुम शायर हो कुछ सुनाओ फिर। कैदी: गम-ए-उल्फत में जो कट रही जिंदगी हमारी, जिस दिन जमानत हुई जिंदगी खतम तुम्हारी।

मास्टर जी: बताओ, कुत्ता पूंछ क्यों हिलाता है? पप्पू: क्योंकि पूंछ में इतनी ताकत नहीं होती कि वो कुत्ते को हिला सके...

राजू: सर मुझे कुछ याद नहीं रहता है। टीचर: अच्छा बताओ कि क्लास में तुम्हारी पिटाई कब हुई थी? राजू: सोमवार को। टीचर: यह कैसे याद रह गया? राजू: सर प्रैक्टिकल में नहीं, थ्योरी में प्रॉब्लम है।

पत्नी: अगर मैं खो गई तो आप क्या करेंगे? पति: मैं अखबार में इश्तेहार दूंगा। पत्नी: तुम कितने अच्छे हो, क्या लिखोगे? पति: जहां भी रहो खुश रहो।

कहानी — बदनामी मिटाई नहीं जा सकती

एक छोटे से कस्बे में पंडित रामानंद शास्त्री रहा करते थे। वे बहुत सदाचारी थे और हर किसी की मदद को हमेशा तैयार रहते थे। आस पास के कई गांवों तक उनकी ख्याति थी। उनका एक पुत्र था रामसेवक। रामसेवक इकलौता होने के कारण बड़ा ही चंचल और नटखट था। पंडित जी की हार्दिक अभिलाषा थी उनका बेटा विद्या प्राप्त करके उन्हीं की तरह सदाचारी बने और पूजा पंडिताई का काम करे। लेकिन पिता की इच्छा के विपरीत लाला रामसेवक हमेशा शरारतें किया करता था। पंडित रामानंद शास्त्री उसे समझाने का प्रयास करते रहते थे, लेकिन रामसेवक को बुरे कामों में मजा आता था। अंत में निराश होकर पंडित जी ने रामसेवक को समझाना बंद कर दिया। जब कभी कोई उसके पुत्र की शिकायत लेकर आता तो पंडित जी अपने घर के मुख्य द्वार पर एक कील ठोंक देते। कुछ ही दिनों में दरवाजा कीलों से भर गया। एक दिन एक अंधा मुसाफिर रोता हुआ पंडित जी के पास आया और पूछने पर उसने बताया कि उनके बेटे रामसेवक ने उनकी लाठी खींच ली और उनकी पोटली कुएं में फेंक दी। यह सुनकर पंडित को दुख हुआ, उन्होंने दरवाजे की ओर देखा, उसमें केवल एक आखिरी कील के लिए जगह बची थी। पंडित जी ने उसे अंधे मुसाफिर से माफी मांगकर उसे रवाना किया और कील हथौड़ा लेकर दरवाजे पर जैसे ही कील ठोकनी शुरू की, उसी समय रामसेवक वहां आ पहुंचा। उसने पिता से पूछा, पिता जी, आप यह क्या कर रहे हैं? पंडित जी उदास मन से बोल उठे, बेटा, मैं तेरे किए गए दुष्कर्मों की गिनती कर रहा हूं। रामसेवक आश्चर्य से दरवाजे पर लगी कीलों को देखने लगा और फिर पूछ बैठा क्या दरवाजे पर लगी सभी कीलें मेरे कारण लगी हैं? इस पर दुखी पंडित जी बोल उठे, हां, मेरे नालायक बेटे! ये सब कीलें तुम्हारे किए गए दुष्कर्मों की सूचक है। पंडित जी ने रामसेवक को समझाया, देखो बेटा! बुरे कर्मों को छोड़कर परोपकार और सत्कर्म करो, ज्ञान विद्या प्राप्त करो, अब भी अवसर है, नहीं तो शेष जीवन पश्चाताप में बीत जाएगा। यह सुनकर रामसेवक उदास हो गया। उसे अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने मन ही मन प्रण किया कि अब वह अच्छे कर्म करेगा और अपने पिता द्वारा बताए गए मार्ग पर चलेगा। एकाएक उसके व्यवहार में बदलाव आ गया। उसने लोगों को सताना बंद कर दिया। वह सबकी सहायता करने लगा। उसके इस बदले व्यवहार से पंडित जी खुश रहने लगे। उन्होंने रामसेवक के प्रत्येक अच्छे काम पर दरवाजे पर लगी एक कील निकालनी शुरू कर दी। धीरे धीरे सारी कीलें निकल गई। एक दिन पंडित जी आंगन में बैठकर धूप सेक रहे थे, कि तभी उन्हें किसी ने बताया कि अभी अभी रामसेवक ने एक निर्धन बुढ़िया महिला की सहायता की है। इस सूचना पर प्रसन्न होकर पंडित जी ने जैसे ही अंतिम कील निकाली, उसी वक्त रामसेवक वहां आ पहुंचा। रामसेवक कभी अपने पिता को देखता तो कभी दरवाजे को। उसने कहा पिताजी कील तो सारी निकल गई पर उनके निशान दरवाजे पर सदा के लिए रह गए। इस पर पंडित जी बोले, देखो बेटा, बुरे काम छोड़ देने पर भी उसकी बदनामी मिटाई नहीं जा सकती, इसलिए हमें कभी भी बुरे काम नहीं करने चाहिए। मनुष्य द्वारा किए गए छोटे से छोटे बुरे काम की बदनामी उसकी पीछा नहीं छोड़ती, जैसे ऋषि वाल्मीकि का प्रारंभिक जीवन उनके परिचय में हमेशा उल्लेखित किया जाता है।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज के दिन अनुकूल ग्रहस्थिति आपकी बेहतरी और प्रगति के मार्ग को प्रशस्त करेगी। आप में से कुछ लोग व्यावसायिक विस्तार की योजनाएं बना सकते हैं और उन्हें लागू करने में भी सफल होंगे।

वृषभ

आसपास धार्मिक कार्य होने से आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपसे खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से पार्टनरशीप करने का विचार बना सकते हैं।

मिथुन

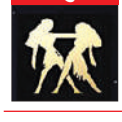

आज का पूरा दिन मौज-मस्ती में व्यतीत होगा। व्यापार संबंधित नए-नए विचार आपके मन में आएंगे। आपके परिवार में अचानक पैसे आने का योग बन रहा है। आपके कार्य में परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलेगा।

कर्क

नए वाहन या संपत्ति खरीदने के लिए अपनी योजनाओं को स्थगित करना आपके लिए फिलहाल बेहतर होगा, क्योंकि यह आपके बड़े नुकसान का कारण हो सकता है।

सिंह

आज आपको सबके साथ अपने संबंध बेहतर बनाकर रखने चाहिए। खासकर कि अपने दोस्तों के साथ संबंधों में मजबूती लाने की जरूरत है। आपको कोई भी अवसर हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।

कन्या

आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको गलत साबित करने की पुरजोर कोशिश करेगा। आपकी लंबित पदोन्नति आपके कार्य आएगी जिससे आप व्यक्तियों को खुशी होगी।

तुला

आप अपने अधिनस्त अथवा सहभागी को महत्व के संवेदनशील मुद्दों को समझने में मदद कर सकते हैं। व्यापारी ग्राहकों की पसंद में दिलचस्पी लेंगे, और जिस कारण उन्हे आर्थिक लाभ भी मिलेगा।

वृश्चिक

आज मां दुर्गा के आशीर्वाद से आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। आपको दोस्तों से कोई अच्छी खबर मिलने की उम्मीद है। ऑफिस में आपको अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

धनु

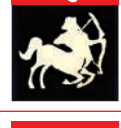

आज के दिन निवेश करने से भी बचना चाहिए। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। उसे कोई प्यारा सरप्राइजज देने की योजना बनाएँ। प्रिय व्यक्ति के साथ मुलाकात सुखद रहेगी।

मकर

आर्थिक मामलों में सुधार और कुछ व्यापारिक यात्राओं के योग बनते नजर आ रहे हैं। आर्थिक कार्यों में आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आज के दिन आपको लाभप्रद वाले सौदे मिल सकते हैं।

कुम्भ

आज आपके हर काम का हल चुटकियों में निकल जायेगा। ऑफिस में भी आपके काम की तारीफ होगी। किसी प्रोजेक्ट के लिये आपको अपनी राय देने का मौका मिलेगा।

मीन

आज आपके अंदर की आवाज ही आपकी सच्ची साथी होगी। आज आप खुद को किसी पारिवारिक समारोह में व्यस्त पाएंगे। आपको कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

सलमान खान की 'कभी ईद कभी दिवाली' में हुई राघव की एंट्री!

सलमान खान की फिल्म 'कभी ईद कभी दिवाली' लंबे समय से चर्चे में है। फिल्म में सलमान खान के पूजा हेगड़े अलावा आयुष शर्मा और एक्टर जहीर इकबाल भी हैं। इसी बीच फिल्म को लेकर एक नई अपडेट सामने आई है। जिसमें कहा जा रहा है कि डांसर, एक्टर और टीवी शो होस्ट राघव जुयाल भी इस मोस्ट अवेटेड फिल्म का हिस्सा बनेंगे। 'टाइम्स ऑफ इंडिया' की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म 'कभी ईद कभी दिवाली' में राघव जुयाल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से ये भी बताया गया कि राघव जुयाल किसी स्पेशल डांस के रूप में शामिल नहीं हुए, बल्कि वह कुछ ऐसे रोल के लिए कास्ट किए गए हैं,जिसे उन्होंने पहले कभी टैप नहीं किया है। बता दें कि राघव ने इससे पहले कई फिल्मों और वेब शो में अपना एक्टिंग टैलेंट दिखा चुके हैं। लेकिन इस बार उन्हें एक अलग स्टाइल में देखने को मिलेगा। भले ही 'कभी ईद कभी दिवाली' एक कॉमेडी और मसाला एंटरटेनर है लेकिन राघव के हिस्से में कोई कॉमेडी और डांस टैलेंट शामिल नहीं है। हालिया रिपोर्ट में फिल्म को लेकर ये दावा किया गया था कि श्रेयस तलपड़े और अरशद वारसी इस फिल्म का हिस्सा थे, लेकिन भाईजान के बहनोई आयुष शर्मा और एक्टर जहीर इकबाल ने उन्हें रिप्लेस कर दिया। हालांकि बाद में फिल्म के सूत्रों ने बताया कि आयुष शर्मा और जहीर इकबाल ने किसी को रिप्लेस नहीं किया है। अरशद श्रेयस कभी भी फिल्म का हिस्सा नहीं थे। फिल्म की कास्टिंग में अभी के लिए कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। सलमान की ये फिल्म जल्द ही फ्लोर पर आने वाली है।

बॉलीवुड | मसाला

ऐश्वर्या की फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन' को अमेजन ने 125 करोड़ रुपए में खरीदा

ऐश्वर्या राय बच्चन की फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। तमिल एपिक हिस्टोरिकल फिल्म को पहले बड़े पर्दे पर दिखाई जाएगी फिर डिटिजल प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजॉन प्राइम वीडियो ने इस फिल्म के स्ट्रीमिंग राइट्स खरीद लिए हैं, इसके लिए काफी बड़ी रकम चुकाई है। मशहूर फिल्ममेकर मणि रत्नम की फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन' लेखक कल्कि कृष्णमूर्ति के उपन्यास पर आधारित एक ऐतिहासिक फिल्म है। इस फिल्म में राजा चोल की कहानी को दर्शकों के सामने पेश किया जाएगा। इस फिल्म के पोस्टर देखकर ही साफ है कि दर्शकों को बीते हुए दिनों की महान गाथा देखने को मिलेगी। इस फिल्म को देखने के लिए फैंस बहुत इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय महत्वपूर्ण रोल में नजर आएंगी। फिल्म में ऐश्वर्या मंदाकिनी देवी का रोल निभाती नजर आएंगी। फिल्म के कुछ पोस्टर ऐश्वर्या ने पिछले महीने ही शेयर कर बताया था कि फिल्म 30 सितंबर को रिलीज हो रही है। इस महान गौरवशाली ऐतिहासिक फिल्म को दो पार्ट में रिलीज किया जाएगा। 'पोन्नियिन सेलवन' का पहला पार्ट 30 सितंबर को थियेटर में रिलीज होगा। वहीं इस फिल्म के डिजिटल राइट्स अमेजन ने करोड़ों रुपए चुका कर खरीद लिए हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

कोरोना महामारी ने बदल डाली जिंदगी : कनिका कपूर

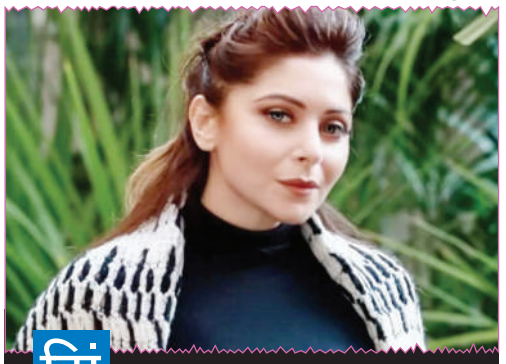

सिंगर कनिका कपूर ने 'चिट्टियां कलाइयां' से लेकर 'बेबी डॉल' 'लवली', 'देसी लुक' और 'गेंदा फूल' जैसे कई चार्टबस्टर गाने गाए और बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। साल 2012 में 'जुगनी जी' गाने से म्यूजिक इंडस्ट्री में हलचल मचा देने वाली कनिका कपूर एक बार फिर सोलो गाना लेकर आ रही हैं। इस गाने को कनिका ने अपनी लाइफ का सबसे बेहतरीन गाना बताया है। उनका नया गाना 'बुहे बारियान हैं। यह गाना 28 अप्रैल को सारेगामा म्यूजिक यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगा। 'बुहे बारियान गाने के बारे में बताते हुए कनिका कपूर ने दावा किया कि उन्होंने ऐसा गाना अपने करियर में इससे पहले कभी नहीं गाया। उनका ये गाना बेहद खास और उनके लिए एक ड्रीमी गाना है। यह बेहद खूबसूरत लव सॉन्ग है। गाने की सबसे खास बात ये हैं कि इसकी गायकी अलग है। म्यूजिक और मेलोडी भी नई और अलग है। यह ऐसा गाना है, जिसमे एक लड़की अपने प्रेमी से कहती हैं कि वो कुछ छोड़ के हवा बन के उसके पास उनकी बाहों में आ रही हैं। 'बुहे बारियान' का मतलब यही है। कनिका कपूर ने आगे बताया कि वह इस गाने में अपनी आवाज देने के अलावा इसके म्यूजिक वीडियो में भी हैं। वह कहती हैं, इस तरह गाना का मैंने कभी नहीं किया हैं, जिसमें मेरे इतने लंबे बाल हैं। लंबे-लंबे कपड़े हैं। वीडियो में हूं और इसके लिए बेहद एक्साइटेड भी हूं। वीडियो को बेहद खूबसूरती से किया गया है। इसका प्रोडक्ट इतना सुंदर हैं कि लोग देखते रह जाएंगे। जिस तरीके से इसे बनाया गया और वीडियो शूट किया गया है, उसे देखने के बाद सभी को मजा आने वाला है। कोरोना महामारी के चलते लोगों के कई उतार-चढ़ाव देखे हैं और महामारी दौर के आने के बाद हर रोज नए एलबम गाने और म्यूजिक वीडियो रिलीज हो रहे हैं? इस सवाल को पॉजिटिव लेते हुए कनिका कपूर ने अपनी खुशी जताई की लोगों को अपना टैलेंड दिखाने का मौका मिल रहा है।

भारत का गरीब भी इस देश में जाकर बन जाता है अमीर

हम हमेशा अपने देश में एक रुपए के सिक्के की कोई वैल्यू नहीं समझते। आप देखते होंगे कि आपके घरों की आलमारी में यहां-वहां एक रुपये का सिक्का पड़ा रहता है। लेकिन भारत के इस एक रुपये की कीमत आपकी सोच से कहीं ज्यादा मूल्यवान है। आप सोच भी नहीं सकते कि एक रुपया इस देश कितना मूल्यवान है। इस देश का नाम वियतनाम है। जिसकी राष्ट्रीय मुद्रा डोंग है। भारतीय रुपये के मुकाबले यहां की मुद्रा काफी कमजोर है। जहां हम अक्सर अपने देश में सोचते हैं कि एक रुपये से आजकल कुछ नहीं मिलता। वहीं इस देश में एक रुपये को यदि आप लेकर जाएं, तो शायद आपको बहुत कुछ मिल सकता है। वियतनाम की राष्ट्रीय मुद्रा डोंग के मुकाबले भारतीय मुद्रा काफी मजबूत है। वर्तमान समय में भारत के एक रुपये की कीमत वियतनान में 316.12 वियतनामी डोंग के बराबर है। इसलिए यदि आप इस खूबसूरत देश में छुट्टियां बिताने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आप बहुत ही सस्ते और किफायती दरों में यहां यात्रा कर सकते हैं। बता दें कि भारत धीरे-धीरे अपनी अर्थव्यस्था को मजबूत कर रहा है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश है। इसलिए आने वाले समय में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की कुछ सबसे मजबूत अर्थव्यस्थाओं में से एक होगी। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सबसे बड़ा योगदान वहां की करेंसी का होता है।

अजब-गजब | इस गांव में सदियों से चली आ रही है यह परंपरा

देवता के कोप से बचने के लिए भाई की जगह बहन बनी दूल्हा, खुद फेरे लेकर घर लाई अपनी भाभी

हमारे देश में कई अजीबोगरीब परंपराएं हैं, जिनके बारे में जानकर लोग हैरान हो जाते हैं। ऐसी ही एक अनोखी परंपरा गुजरात के एक गांव में भी है। यह परंपरा शादी से जुड़ी है। दरअसल, गुजरात में एक बहन ने अपने भाई की जगह दूल्हा बनकर शादी के फेरे लिए। यह मामला गुजरात के छोटा उदेपुर जिले का है। यहां के तीन गांवों में ऐसी परंपरा है कि दूल्हे की बहन दूल्हा बनकर विवाह करने के लिए जाती है। दूल्हे की बहन ही दुल्हन संग मंडप में सात फेरे लेती है और विवाह की सारी रस्में निभाकर दुल्हन को घर लेकर आती है।

सदियों से चली आ रही परंपरा

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अंबाला गांव के एक निवासी का कहना है कि यह परंपरा गांव में सदियों से चले आ रही है। वहीं उन्होंने यह भी बताया कि कुछ वर्षों पहले तीन युवकों ने इस परंपरा को तोड़कर खुद शादी रचाने पहुंच गए थे। बताया जाता है कि इसके बाद तीनों युवकों की ही मौत हो गई। उसके बाद से फिर से इसी परंपराओं के अधीन ही इस गांव में विवाह होने लगे।

बहन बनकर गई दूल्हा

रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में अंबाला गांव के हरिसिंग रायसिंग राठवा के बेटे नरेश का विवाह फेरकुवा गांव के वजलिया हिंमता राठवा की बेटी लीला से हुआ। हालांकि नरेश बाराता लेकर नहीं गया बल्कि उसकी जगह बहन बारात लेकर गई। नरेश की जगह उसकी बहन ने शादी की सारी रस्में निभाई और अपनी भाभी को दुल्हन बनाकर घर लाई।

यह है इस परंपरा की वजह

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस अनोखी परंपरा के पीछे अंबाला, सूरखेडा और सनाडा गांव के आराध्य देव भरमादेव और खूनपावा हैं। ये आदिवासी समाज के आराध्य देव माने जाते हैं। स्थानीय लोगों में मान्यता है कि भरमादेव कुंवारे देव हैं। इसी वजह से ऐसा माना जाता है कि अंबाला, सूरखेडा और सनाडा गांव का कोई लड़का अगर बारात लेकर जाएगा, तो उस देव का कोपभाजक बनेगा। उसके जीवन में कुछ भी बुरा हो सकता है। इसी कोप से बचने के लिए गांव और गांव के लोगों को बचाने के लिए दूल्हे की बहन ही बारात लेकर जाती है। इसके बाद वो फेरे भी लेती है और अपनी भाभी को घर लाती है।

प्रदेश में जंगलराज, न्याय को भटक रही जनता : अखिलेश

- भाजपाइयों के सिर चढ़कर बोल रहा सत्ता का अहंकार
- अवैध निर्माण को दिया जा रहा संरक्षण, अपराध बढ़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जंगलराज कायम है। भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था चौपट है। सत्ता का अहंकार भाजपाइयों के सिर चढ़कर बोलने लगा है। वे कानून का शासन नहीं अपनी मनमर्जी चलाने को बेकरार है। शासन-प्रशासन सरकार की मंशा के अनुसार जनता के साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं। जनता के प्रतिनिधि ही सरकार के लिए दिक्कतें पैदा कर रहे हैं। जनता बेचारी न्याय के लिए दर-दर भटक रही हैं। उन्हें न्याय देने वाला कोई नहीं है।

उन्होंने कहा कि बलिया के सहतवार थाना क्षेत्र में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हटाने पहुंचे तहसीलदार को भाजपा विधायक केतकी सिंह के लोगों ने रोक दिया। सत्ता की हनक में अवैध निर्माण के संरक्षण का यह कोई पहला उदाहरण नहीं है। कई स्थानों पर ऐसी कहानी दोहराई गई है। लखनऊ में सार्वजनिक स्थान पर सिगरेट पीने से मना

करने पर दबंग भाजपा नेता दक्ष जोशी ने साथियों के साथ मिलकर दारोगा से अभद्रता की। यूपी में अपराधियों के हौसले बुलन्द हैं। कन्नौज में जांच के लिए गई महिला दारोगा और सिपाही पर जानलेवा हमला कर घायल कर दिया गया। विज्ञापनों में झूठा प्रचार करने वाली उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री के लॉ-एण्ड-आर्डर की सच्चाई जनता के सामने है।

उन्होंने कहा कि सपा सरकार में जहां यूपी डायल 100 की पुलिस सेवा अपराध नियंत्रण के लिए दी गई थी वहीं भाजपा सरकार की पुलिस कहीं भी, कभी भी लोगों को मृत्यु बांटने का काम निरन्तर कर रही है। उत्तर प्रदेश की पुलिस अपने हाथ में कानून लेकर फैसले कर रही है। कानपुर में पुलिस पिटाई से युवक की मृत्यु हो गई। शासन और प्रशासन के संरक्षण में नागरिकों की हत्याएं हो रही हैं ऐसे में कोई कैसे सुरक्षित रह सकता है? कानून को अपना काम करने नहीं दिया जा रहा है। सच तो यह है कि भाजपा सरकार और पुलिस प्रशासन अहंकार के नशे में धुत है।

पुलिस मुठभेड़ में चार बदमाश घायल, गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। लूट व टप्पेबाजी करने वाले कटिहार (बिहार) के रहने वाले चार बदमाशों को कैंट पुलिस ने गुरुवार को गोरखपुर छावनी रेलवे स्टेशन के पास घेर लिया। बदमाशों की ओर से पुलिस पर सात राउंड फायरिंग की गई। गोली तीन सिपाहियों के हाथ को छूते हुए निकल गई। जवाबी कार्रवाई में बदमाशों के पैर में गोली मारकर पुलिस ने उन्हें पकड़ा। घायल हुए सिपाहियों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

एसएसपी डा. विपिन ताडा ने बताया कि सूचना मिली थी कि लूट व टप्पेबाजी करने वाले गिरोह के चार बदमाश बाइक से छावनी रेलवे स्टेशन के पास घूम रहे हैं। इस पर क्राइम ब्रांच व पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो बाइक सवार बदमाश फायरिंग करते हुए भागने लगे। जवाबी कार्रवाई में बदमाशों के पैर में गोली लग गई। पूछताछ में उनकी पहचान कटिहार जिले के जोराबगंज गांव निवासी करन, वीरेंद्र, शिवा और हैरान के रूप में हुई। उनके कब्जे से नाइन एमएम की दो पिस्टल, छह खोखा, दो कारतूस, एक 315 बोर का तमंचा, तीन मोबाइल फोन, लूट के 55 हजार रुपये, डिग्गी तोड़ने में इस्तेमाल होने वाला लोहे का नुकिला उपकरण और दो बाइक मिली।

मथुरा : फेरे से पहले दुल्हन की गोली मारकर हत्या

- पुलिस कर रही मामले की जांच, दहशत में परिवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। मथुरा में गुरुवार की देर रात सात फेरे लेने से पहले एक युवक ने घर में घुसकर दुल्हन की गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। परिवार ने अभी पुलिस के सामने भी युवक का नाम नहीं बताया है।

नौहझील थाना क्षेत्र के गांव मुबारिकपुर में गुरुवार को खूबीराम की पुत्री काजल की शादी थी। बरात लेकर गौतम बुद्ध नगर के थाना रबूपुरा के गांव कलुपुर निवासी वीरपाल पहुंचे थे। रात दो बजे जयमाला कार्यक्रम हुआ। इसके बाद दुल्हन काजल को उसके घर लाया गया। दो महिलाओं के साथ दुल्हन घर के बाहरी कमरे में बैठी थी, तभी एक युवक अचानक वहां पहुंचा और काजल को तमंचे से गोली मार दी। मौके पर ही दुल्हन की मौत हो गई। एसपी देहात श्रीशचंद्र ने बताया कि दुल्हन के परिवार के लोग काफी घबराए हुए हैं इसलिए उन्होंने युवक का नाम नहीं बताया। उनसे युवक के बारे में पूछताछ की जा रही है।

भूमि विवाद में युवक का मर्डर

बांदा। हाईवे किनारे आज जमीन विवाद में युवक की गोली मार हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार बाबूलाल यादव ने हाईवे किनारे स्थित अपने हिस्से के मकान को 2009 में मुन्ना यादव के नाम रजिस्ट्री की थी जबकि मकान के इसी हिस्से को बाबूलाल के पुत्र लल्लू ने 2008 में हाजरा उर्फ भुल्ली के नाम रजिस्ट्री की थी। मकान में हाजरा का कब्जा था। मुन्ना के परिजन भी कब्जा चाहते थे। हाजरा ने बताया हैदर उर्फ पप्पू में यही सो रहा था। हैदर अली के साथ जेसीबी ऑपरेटर सहायक बउवा भी सो रहा था। उसने पुलिस को बताया कि रात करीब साढ़े तीन बजे किसी ने हैदर को कनपटी में गोली मार दी।

नाम बड़े, दर्शन छोटे : वॉक्सवैगन कार के सर्विस सेंटर का हाल

सर्विस के नाम पर वसूलते हैं मोटी रकम, शिकायत पर करते हैं बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के वॉक्सवैगन कार के सर्विस सेंटर पर नाम बड़े, दर्शन छोटे की कहावत सटीक बैठती है। यहां न केवल कार की सर्विस के नाम मोटी रकम वसूली जाती है बल्कि शिकायत पर सेंटर के कर्मचारी ग्राहकों से बहस करते हैं। हाल यह है कि कंपनी के टोल फ्री नंबर पर कॉल नहीं रिसीव की जाती है। वहीं शोरूम और सेंटर प्रबंधन शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं करता है।

ऐसा ही एक और मामला सामने आया है। कार मालिक संचित जैन का आरोप है कि उन्होंने लखनऊ के फैजाबाद रोड स्थित वॉक्सवैगन शोरूम के सर्विस सेंटर में अपनी कार रजिस्ट्रेशन संख्या- UP21AV9131 को सर्विस के लिए दिया था। सेंटर ने कार की सर्विसिंग तीन दिन

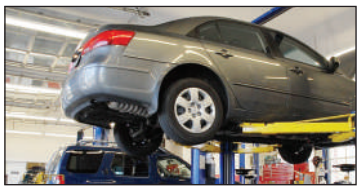

- टोल फ्री नंबर पर नहीं उठता है कॉल, ग्राहकों के साथ सेंटर कर्मियों का रवैया बेहद खराब

में करने को कहा लेकिन नियत समय में सर्विस नहीं की। सेंटर के कर्मचारी उनको दो हफ्ते तक दौड़ाते रहे। फिर कार दी। यही नहीं मेंटेनेंस व सर्विसिंग के नाम पर 35-40 हजार वसूल लिए। सेंटर ने डेंटिंग-पेंटिंग के नाम पर भी बिल बना दिया जबकि कार में खरोंच तक नहीं थी। संचित जैन का आरोप है कि जब इस मामले पर वे शोरूम के जीएम सरोजदास से बात की तो उन्होंने कार को दोबारा सर्विस सेंटर मंगवा लिया और एक बार फिर भारी-भरकम बिल थमा दिया। उनका आरोप है कि एक साल पहले भी सेंटर ने सर्विसिंग के नाम पर बेहद घटिया रवैया अपनाया था। वे इसकी शिकायत अब जर्मनी स्थित कंपनी के मेन ब्रांच से करेंगे। वहीं वॉक्सवैगन शोरूम लखनऊ के जीएम सरोजदास का कहना है कि मेंटेनेंस या सर्विस के नाम पर जो चार्ज निर्धारित है वही लिया जाता है। आरोप बेबुनियाद हैं।

केंद्र-राज्य की लड़ाई में पिस रहा आम आदमी

- 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन
- जहां-जहां हुए चुनाव वहीं कम किए गए पेट्रोल-डीजल के दाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों के बीच केंद्र और राज्यों के बीच उठापटक जारी है। सवाल उठता हैं कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर केंद्र और राज्य की लड़ाई में आम आदमी क्यों पिसे? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार शीतल पी.सिंह, डॉ. राकेश पाठक, दिनेश के.दोहरा, बीजेपी प्रवक्ता अनिला सिंह, आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़, अर्थशास्त्री प्रो. मनीष कुमार और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

प्रो. मनीष कुमार ने कहा, जो फायदा घटते हुई इंटरनेशनल क्रूड आयल की कीमतों का जनता को मिलना चाहिए वह कभी नहीं मिलता जबकि दाम बढ़ने पर

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

उसे जनता पर जरूर थोप दिया जाता है। पेट्रोलियम प्रोडक्ट को एक प्राइसिंग पॉलिसी के द्वारा तय किया जाता है। आज जो इंटरनेशनल मार्केट में हो रहा है, उसकी जिम्मेदारी केंद्र सरकार को लेनी पड़ेगी। राज्य सरकारों को भी अपने आर्थिक हालात सुधारने चाहिए।

दिनेश के बोहरा ने कहा, पेट्रोलियम पदार्थों को लेकर राज्यों और केंद्र के बीच जो विषय है वह नया या पुराना नहीं है। भारत की अर्थव्यवस्था रोबोस्ट नहीं है। लिमिटेड सोर्सज है, जिससे हम पैसा कमा सकते हैं। शीतल पी सिंह ने कहा, यह विपक्ष की नाकामयाबी है कि वह जनता के मुद्दे पर फेल है। जहां-जहां चुनाव थे, वहां दाम कम भी हुए जबकि भाजपा शासित राज्यों एमपी में 119 रुपए और बिहार में भी पेट्रोलियम पदार्थों के रेट थे। ये भी ज्यादा हैं। इसमें केंद्र की जिम्मेदारी पहले हैं मगर यहां चुनावी जिम्मेदारी ज्यादा दिखी। जब तक ये मामला चुनावी रहेगा तब तक जनता को इससे निजात नहीं मिलेगी। डॉ. राकेश पाठक ने पीएम पर व्यंग्य करते हुए कहा कि मैं मोदी सरकार से अनुरोध करता हूं कि विकास की रफ्तार को रोके नहीं जितना हो सके रेट बढ़ाए। विकास पागल हो गया है। आम आदमी को कोई तकलीफ नहीं है, जनता को महंगाई मंजूर है। प्रियंका कक्कड़ ने कहा मोदीजी आए मन की बात कह गए लेकिन मन की बात से बात नहीं बनेगी। वन नेशन वन टैक्स की बात थी तो जीएसटी में इसे शामिल करें। बुलडोजर चल रहे हैं तो इसे भी बुलडोज करें मोदीजी।

अनिला सिंह ने कहा कि 150 करोड़ की आबादी वाले देश को पीएम मोदी ही चला सकते हैं। टैक्स प्रोडेक्ट के हिसाब से लगता है। राज्य सरकारें इस मुद्दे पर जीएसटी में जाना ही नहीं चाहती।

एटीएस ने देवबंद से संदिग्ध को किया गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवबंद। यूपी एटीएस की टीम ने देवबंद के एक मदरसे से एक संदिग्ध बंग्लादेशी युवक को हिरासत में लिया है। युवक के कब्जे से फर्जी दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। देर रात को एटीएस की कार्रवाई के बाद पूरे जिले में खलबली मची हुई है।

मामला सहारनपुर के देवबंद स्थित मशहूर मदरसे का है। बताया जा रहा है कि देर रात को यूपी एटीएस टीम को एक संदिग्ध बांग्लादेशी युवक की सूचना मिली थी। टीम ने देर रात को कार्रवाई करते हुए युवक को हिरासत में ले लिया। इसके बाद युवक से पूछताछ की गई। युवक का नाम तलहा तारुलकदार बिन फारुख निवासी बांग्लादेश बताया जा रहा है। तलाह काफी समय से देवबंद के मशहूर मदरसे में पढ़ाई कर रहा था। एटीएस ने अभियुक्त के कब्जे से फर्जी दस्तावेज भी बरामद किए हैं। एटीएस की टीम ने संदिग्ध बांग्लादेशी युवक को देवबंद थाने को सौंप दिया है। जहां पर युवक से पूछताछ की जा रही है। एएसपी देवबंद डीपी तिवारी ने बताया कि एटीएस की टीम ने एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया है। अभी पूछताछ की जा रही है। जल्द ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

- युवक के कब्जे से फर्जी दस्तावेज बरामद

जिस समाज को हिंसा पसंद है वो अपने आखिरी दिन गिन रहा : भागवत

» सिंधी समुदाय के देश के विकास में योगदान की तारीफ की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने देश भर में हो रहे दंगों को लेकर एक बड़ी टिप्पणी की है। आरएसएस चीफ ने महाराष्ट्र के अमरावती में कहा कि जिस समाज को हिंसा पसंद है, वो अपने अंतिम दिन गिन रहा है। भागवत ने ये भी कहा कि हिंसा से किसी को फायदा नहीं होता। सभी समुदायों को एक साथ मानवता की रक्षा करनी चाहिए।

भागवत का ये बयान पिछले दिनों रामनवमी और हनुमान जयंती के मौके पर देश के कई हिस्सों में हुई हिंसा के संदर्भ में देखा जा रहा है। भागवत, कंवरराम धाम में संत कंवरराम के प्रपोत्र साईं राजलाल मोर्डिया के गद्दीनशीनी कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि हमें हिंसा त्यागने और शांति कायम करने वाला होना चाहिए। सभी समुदायों को मानवता की रक्षा का काम प्राथमिकता से करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब संत और समाज एक साथ आ जाएगा तो सरकार को उनके पीछे चलना ही होगा। संजय शेरपुरिया द्वारा पाकिस्तान में रह रहे हिंदुओ की पीड़ा पर लिखी गई किताब मैं माधोभाई, एक पाकिस्तानी हिंदू का लोकार्पण करते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने किया। उन्होंने पाकिस्तान में रह रहे हिंदुओं और पाकिस्तान से भारत आने वाले हिंदुओं की पीड़ा के बारे में कहा कि सिंधी समाज के लोग गंवाकर नहीं बल्कि सब कुछ छोड़कर आए हैं।

समाज के दबाव में काम करती है केंद्र सरकार

भागवत ने यह भी कहा कि मौजूदा केंद्र सरकार हो या कोई और सरकार, वो समाज के दबाव में ही काम करती है। पूरा समाज सिंधी यूनिवर्सिटी और अखंड भारत बनाने के लिए इच्छुक है। सिंधी संस्कृति और भाषा को बढ़ावा देने के लिए अलग यूनिवर्सिटी बनाने की जरूरत है। अगर आप सिंधी यूनिवर्सिटी के सपने को साकार होते देखना चाहते हैं, तो आपको मौजूदा मोदी सरकार पर दबाव बनाना होगा।

और एक दिन भारत फिर से अखंड जरूर होगा। उन्होंने आगे कहा कि कुछ सिंधी भाई अपने धर्म और जमीन की रक्षा के लिए पाकिस्तान में रुक गए थे और कई लोग जमीन न बचाकर अपने धर्म की रक्षा के लिए भारत आ गए। भागवत ने सिंधी समुदाय के देश के विकास में योगदान की तारीफ की।

श्वेता सिंह मामले में हत्यारोपित पति दीपक गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जिला पंचायत सदस्य श्वेता सिंह गौर की मौत मामले में मुख्य आरोपित पति दीपक सिंह गौर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एसपी अभिनंदन ने बताया कि पूछताछ की जा रही है। पति-पत्नी के बीच विवाद व मारपीट होती रहती थी। साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। साक्ष्य मिलेंगे, उन सभी लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा।

पूछताछ के बाद ही विस्तृत जानकारी दी जा सकेगी। पिता ने आरोपित दामाद पर जहां गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पत्नी का राजनीति में बढ़ता कद देखकर वह प्रताड़ित करता था। गौरतलब है कि मोहल्ला इंदिरा नगर निवासी भाजपा की जिला पंचायत सदस्य श्वेता सिंह गौर का शव बुधवार दोपहर घर के अंदर बेडरूम में फंदे से लटका मिला था। घटना के बाद से उसके मायके चित्रकूट जिले के कर्वी थाना क्षेत्र के शंकरबाजार गोकुलपुरी निवासी पिता धर्मवीर व भाई ओमकार ने ठेकेदार पति दीपक सिंह गौर व पूर्व डीआइजी ससुर राजबहादुर सिंह समेत अन्य ससुरालीजनों के विरुद्ध हत्या कर शव फंदे में लटकाने का आरोप लगाया था।

स्मृति ईरानी ने फतेहपुर में की विकास कार्यों की समीक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने आज फतेहपुर में कलेक्ट्रेट के गांधी सभागार में जिला स्तरीय अफसरों के साथ विकास समीक्षा की। उन्होंने विकास की गति को बढ़ाने और बजट के अभाव में रूके कार्यों के लिए बजट दिलाने का भरोसा दिया। इस दौरान उन्होंने कुपोषण, महिला सशक्तीकरण, विधवा पेंशन जैसी लाभार्थी परक योजनाओं की भी समीक्षा की।

एमबीबीएस छात्रों को बांटे टैबलेट

समीक्षा उपरांत उन्होंने निर्माणाधीन राजकीय मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया। यहां पर एमबीबीएस के 30 छात्र छात्राओं को टैबलेट बांटे और उन्हें मोदी व योगी सरकार की उपलब्धियां बताई। इस दौरान मेडिकल कॉलेज के प्रशिक्षु छात्राओं ने स्वागत कार्यक्रम के लिए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का अभिनंदन किया।

फोटो: सुमित कुमार

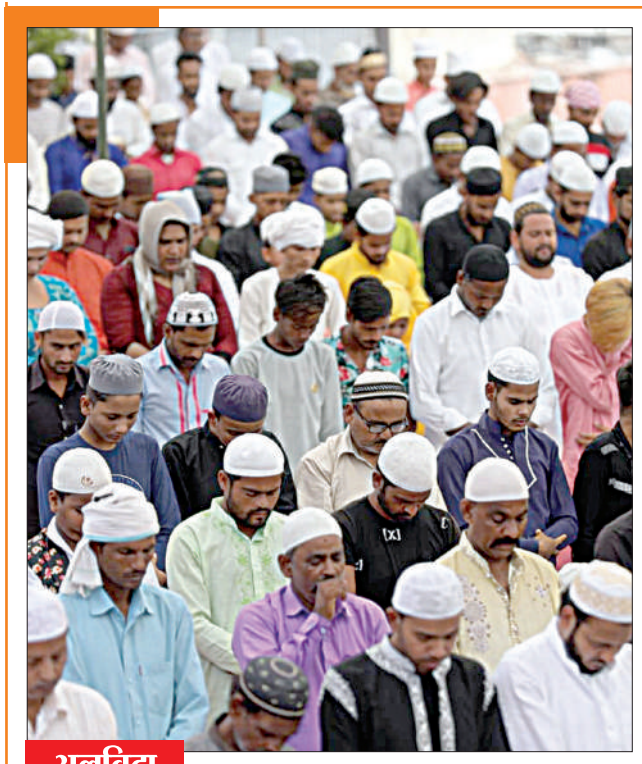

अलविदा की नमाज

राजधानी लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में आज ईद से पहले अलविदा की नमाज अदा की गई। ऐशबाग स्थित ईदगाह, बड़ा इमामबाड़ा और टीले वाली मस्जिद में मुस्लिम भाइयों ने नमाज अदा की।

यूनिवर्सिटी टीचर्स की रिटायरमेंट उम्र 65 वर्ष करे यूपी सरकार : इलाहाबाद हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोर्ट ने कहा कि अध्यापकों की सेवानिवृत्ति आयु 62 से बढ़ाकर 65 वर्ष करने का केंद्र सरकार का 31 दिसंबर 2008 का आदेश राज्य सरकार के लिए बाध्यकारी है। विश्वविद्यालयों के स्टैच्यूट में बदलाव न करना संविधान के अनुच्छेद 14 व अनुच्छेद 19(1) जी का उल्लंघन है साथ ही विभेदकारी व मनमाना भी है।

केंद्र सरकार का आदेश राज्यों पर बाध्यकारी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय मेरठ के अध्यापकों की सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि सरकार स्टैच्यूट में तीन माह में संशोधन कर अध्यापकों की सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष करे और जब तक सरकार निर्णय नहीं ले लेती, तब तक याची को कार्य करने दिया जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ ने डॉ देवेंद्र कुमार मिश्र की याचिका को सुनकर याचिका स्वीकार करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि अध्यापकों की सेवानिवृत्ति आयु 62 से बढ़ाकर 65 वर्ष करने के केंद्र सरकार के 31 दिसंबर 2008 का आदेश राज्य सरकार पर बाध्यकारी है।

बाल विवाह एक्ट में सगाई पर बैन नहीं : हाईकोर्ट

जयपुर। नाबालिग की सगाई को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि नाबालिग की सगाई बाल विवाह रोकने वाले कानून में नहीं है। बाल विवाह निषेध एक्ट की धारा-11 का यह स्पष्ट करता है कि विवाह समारोह या उसे बढ़ावा देने वाली गतिविधियां ही कानून के तहत अपराध होने के लिए एक अनिवार्य शर्त हैं। हाईकोर्ट ने यह आदेश जोधपुर के ओसियां निवासी शिक्षक अनोप सिंह राजपुरोहित की याचिका पर दिया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।